

कार्यालय अंचल अधिकारी, लातेहार

अनुसूचि 14 फारम 5821

आदेश पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तांक 1941 का नियम 129)

आदेश पत्रक-सं०

से

तक

जिला-लातेहार

सं०

/2021-22

मन

केस का प्रकार :-

नामांतरण वाद सं० 134, 135/25-26 की सुनवाई

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	यह वाद नामांतरण वाद सं० 134, 135/25-26 में प्राप्त 8 नामांतरण के निरुद्ध आपत्ति के आलोक में प्रारंभ की जाती है। आपत्ति का सुनवाई हेतु नोटिस निर्गत करें। अभिलेख दिनांक 29.8.25 को रखें। अंचल अधिकारी लातेहार।	
29.8.25	आपत्तिकर्ता प्रथम पक्ष नजमुन निशा अनुपस्थित। संजीदा खातून, रिजवाना खातून, फरजाना प्रवीण सोहानी प्रवीण उपस्थित। द्वितीय पक्ष से आवेद आलम व आखीफ आलम उपस्थित। नोटिस का तामिला प्रतिवेदन प्राप्त हुआ है। आपत्तिकर्ता/आवेदकगण अपने आवेदन के माध्यम से उल्लेखित किया है कि-	

1

2

हमलोगों के पिता मो० समसुदीन मिथां ग्राम-
कोटास थाना मजिला- जोतेहार के द्वारा हमलोग
को अन्यत्र जगहों पर शादी-विवाह कर दिया
गया है। विवाह के समय ही हमलोगों के
पिता का खरीदगी जमीन में सभी भाई-
बहनों का हिस्सा देने हेतु वादा किये थे।
इनके पिता के मृत्यु हो जाने के पश्चात
इनके एकलोग भाई आवेद अंसारी हमलोग
का हिस्सा हड़पना चाह रहा है। इनके द्वारा
गलत तरीके से बेचे गए जमीन का दाखिल
खारीज करने से रोक लगाया जाय।

पुनः कहना है कि वही जमीन भू-अर्जन तुवेद
कोचला खान परिचोजना में चला गया है।
हमलोगों को आवेदित भूमि में हमारा हिस्सा
चाहिए, इसलिये हमलोग दाखिल खारीज
पर रोक लगाए हैं।

द्वितीय पक्ष मो० आशिफ आलम का कहना है
कि समसुदीन मिथां जो विक्रेता के पिता
हैं। 80 बी० जमीन एक बैटी करजाना
खातून को लिख दिया Deed No. 816
Date 17.06.2020 विक्रेता समसुदीन मिथां
पिता- स्व० सकुर मिथां मौजा- कोटास

विक्री की भूमि का विवरण

मौजा	खता	प्लॉट	रकबा
कौड़ास	134	808	0.40
	134	279	0.20
	119	183	0.10
	119	359	0.10
			0.80 रु०

CS खता 83 का पूरा जमीन महबूब अंसारी पिता. अख्तर अंसारी के यहाँ बंधक 70 हजार रुपये में रखा हुआ है। समसुदीन मिथां का बहुत लोन है Union Bank में KCC Loan 1,42,347 बकाया है।

Central Bank of India में 96,45,97.00, 10,32,283.00 एवं 68,831.00 रुपये का गठन समसुदीन मिथां के नाम से है। इसका चुकता कैसे होगा, मेरा कहना है कि हम जमीन खरीदें हैं, हमारा दायित्व स्वारीज होना चाहिए, चूंकि मेरा खरीदगी जमीन पर विक्रेता का भ्रम अवस्थित है। इसलिये हमारा Mutation होना चाहिए। जावेद मिथां का कहना है कि मेरा जमीन बंधक रखा हुआ है, थोड़ा सा जमीन बचा है, उसी में अपना जीवन चापन कर रहा हूँ। हम विक्री किचे हैं जो थोड़ा जमीन है उसी से मेरा जीवन चापन चलता है, मैं कर्जा से डूब चुका हूँ।

आदेश पत्रक

वाद सं० -

दिनांक -

केस का प्रकार :-

आदेश क्रम नं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	तरनुम बीवी पत्नी जावेद मिथां का कहना है कि हमको घर से निकाल दिने है, मैं घर दुसरे के जमीन में बनाए है मेरा 5-6 बच्चा है सिर्फ 30510 जमीन बचा है सब बेटी के नाम से ससुर जी बेच दिये है। सब लोन मेरे माथे पर है, जिसका चुकता कैसे होगा। आपति कर्ता गण का कहना है कि मेरे पापा बहुत खरिदिस वो उस समय मेरे बहन को जमीन दिये क्योंकि वो बेवा थी उनके कमाने खाने के लिए उनको जमीन लिखे थी। पिता की सभ्यति में बेटी का हिस्सा होता है, हम लोग को जमीन चाहिये। राजस्व उप निरीक्षक से विक्रेता को भूमि बिक्री करने का अधिकार था या नहीं? ऑच प्रतिवेदन की भांग करें। अभिलेख दिनांक को रखे। अंचल अधिकारी लानेहार।	

अभिलेख उपस्थापित। राजस्व उप निरीक्षक
के माध्यम से जाँच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ
है, प्रश्नगत भूमि का दायर दा. खारीज
वाद संख्या 134/25-26 विक्रेता जावेद मियां
क्रेता आसीफ आलम को केवाला सं. 1090
दिनांक 16.4.25 से 20 सी. बिक्री किये हैं।

② केवाला सं. 1091 दिनांक-16.4.25 से विक्रेता
जावेद मियां ने अपनी पत्नी तरनुम बीवी
को 30 सी. जमीन बेच दिये हैं, जिस पर
नामांतरण के विरुद्ध आपति है।

इनके जाँच प्रतिवेदन के अनुसार भारत में
मुस्लीम पर्सनल लॉ (Muslim Personal
Law) शरीयत Application act. 1937 के
तहत अगर विक्रेता अपने हिस्से से अधिक
भूमि बिक्री किए हैं, जिसमें विक्रेता के बहन
का सहमति नहीं है, जो गलत है। इसलिये
आपतिकर्ता का आपति सही है।

सभी पक्षकारों के बयानों के सुनने, राजस्व
कमायात का अवलोकन के पश्चात नामांतरण
वाद संख्या 134 एवं 135/2025-26 को
करने की जाती है।

अंचल अधिकारी
लातेहार।